A–0289

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-609

MA Jyotish (MAJY)

(संहिता स्कन्ध-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वर्तमान काल में मुहूर्त शास्त्र के महत्व को प्रतिपादित करते हुए ग्रहप्रवेश मुहूर्त के बारे में लिखिए।

2. बृहत्संहिता ग्रंथ के अनुसार बृहस्पतिचाराध्याय का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. वास्तुशास्त्र की ऐतिहासिकता को प्रातपादित करते हुए महत्व को निरूपति कीजिए।

4. सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का स्वरूप प्रदर्शित करते हुए विभिन्न मासों में होने वाले ग्रहण का फल संहिता के अनुसार लिखिए।

5. संहिता स्कन्ध का परिचय एवं महत्व प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सूर्य एवं चंद्रमा के दश मोक्ष के बारे में लिखिए।

2. शुक्र चाराध्याय का सारांश लिखिए।

3. वास्तु पुरुष की अवधारणा को प्रतिपादित कीजिए।

4. ज्योतिष शास्त्र का महत्व निरूपित कीजिए।

5. भूमि शोधन की विभिन्न विधियों के बार में लिखिए।

6. एकाशीति पद वास्तु को सचित्र समझाइए।

7. वास्तुशास्त्र के अनुसार पिण्ड साधन की प्रक्रिया को बताइए।

8. गृह के समीप किन वृक्षों को रोपित नहीं किया जाना चाहिए।

****